समाचार

निगम द्वारा बनाए गए स्टालों पर सजने लगे मिट्‌टी के दीयों के बाजार

('' यह दीपावली मिट्‌टी के दीयों वाली '', स्लोगनों से मिट्‌टी के दीये जलाने का दिया जा रहा संदेश)

कोरबा 23 अक्टूबर 2019 – नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा निगम क्षेत्र के व्यवसायिक क्षेत्रों, मुख्य मार्गो, साप्ताहिक बाजारों पर बनाए गए स्टालों एवं उपलब्ध कराए गए स्थलों पर मिट्‌टी के दीयों व मिट्‌टी से बनी अन्य सामग्रियों का बाजार सजनं लगा है। मिट्‌टी के दीये बेचने वालों को यह स्थल निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हैं, जहां पर वे सुविधाजनक रूप से मिट्‌टी के दीये व अन्य सामग्रियों का विक्रय कर रहे है।

प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की खास पहल पर दीपावली पर्व पर मिट्‌टी के दीयों व मिट्‌टी से बनी कला सामग्रियों के उपयोग को बढ़ावा देने के कदम राज्य शासन द्वारा उठाए गए हैं। इसी कड़ी में महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल एवं कलेक्टर श्रीमती किरण कौशल के मार्गदर्शन तथा आयुक्त श्री राहुल देव के दिशा निर्देशन में नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने क्षेत्र के अंतर्गत

दर्जनों स्थानों पर मिट्टी के दीये व मिट्टी से बनी अन्य सामग्रियों के विक्रय हेतु कुम्भकारों को निःशुल्क स्टाल व स्थल उपलब्ध कराए गए हैं, इन स्टालों में बारिश, धूप से बचने के लिए टेंट लगाए गए हैं, साथ ही सामग्रियों को विक्रय हेतु सजाने के लिए टेबल, दरी आदि की व्यवस्था भी की गई है, इसके अतिरिक्त साप्ताहिक बाजारों में फ्लैक्स बैनर लगाकर मिट्टी के दीयों के विक्रय हेतु निःशुल्क स्थल उपलब्ध कराए गए हैं, वहीं निगम क्षेत्र के विभिन्न पटाखा विक्रय केन्द्रों के समीप भी यह व्यवस्था बनाई गई है। निगम के अपर आयुक्त श्री अशोक शर्मा ने बताया कि कोसाबाड़ी जोनांतर्गत स्मृति उद्यान के सामने, पुष्पलता उद्यान के सामने एवं बुधवारी बाजार में व्यवस्था की गई है, वहीं कोरबा जोनांतर्गत पुराना बस स्टैण्ड एवं इतवारी बाजार में व्यवस्था बनाई गई है। उन्होने बताया कि टी.पी. नगर जोनांतर्गत पटाखा विक्रय स्थल इंदिरा स्टेडियम परिसर में, बालको जोनांतर्गत पटाखा विक्रय स्थल रामलीला मैदान बालको में, दर्री जोनांतर्गत पटाखा विक्रय स्थल कबीर भवन के सामने एवं इतवारी बाजार दर्री में, सर्वमंगला नगर जोन अंतर्गत गेवरा रेलवे स्टेशन के समीप तथा बांकीमोंगरा जोनांतर्गत पटाखा विक्रय स्थल प्राथमिक शाला बांकीमोंगरा के समीप व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होने बताया कि मिट्टी के दीये व मिट्टी से बनी अन्य सामग्रियों के विक्रय हेतु इन स्टालों एवं स्थलों को पूर्ण रूप से निःशुल्क उपलब्ध कराया गया है।